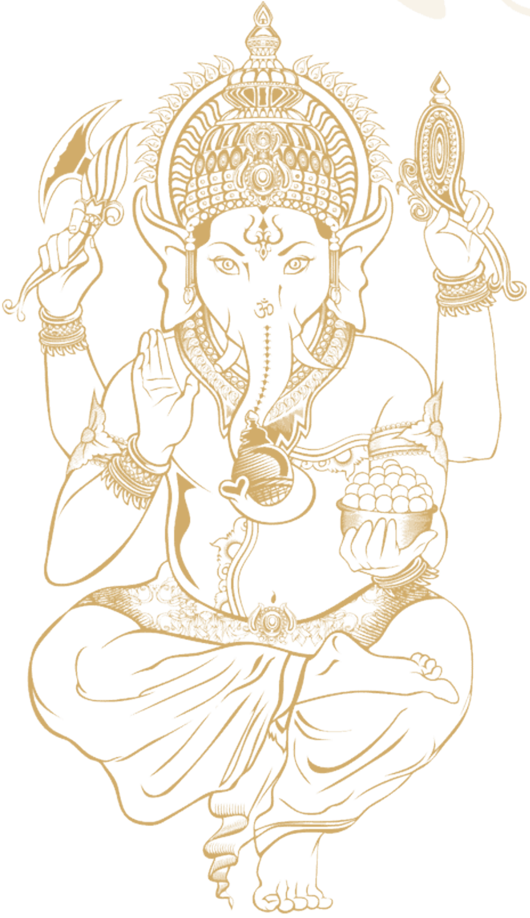

Navin Rai

22 Oct 1987

02:00 AM

Ghazipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120584102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21-22/10/1987**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**02:00:00 घंटे**
इष्ट	50:07:11 घटी
स्थान	**Ghazipur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:36:00 उत्तर
रेखांश	83:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:04:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:04:24 घंटे
वेलान्तर	00:15:16 घंटे
साम्पातिक काल	04:03:24 घंटे
सूर्योदय	05:57:07 घंटे
सूर्यास्त	17:23:22 घंटे
दिनमान	11:26:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	04:13:06 तुला
लग्न के अंश	10:09:32 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वैधृति
करण	चतुष्पाद
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पे-पेशवा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

Pt Sugandh Mishra Ji
Panchmukhi Hanuman mandir vijaynagar indore
9559231533
sugandhmishra.in@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	10:09:32	320:29:54	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	---
सूर्य			तुला	04:13:06	00:59:42	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			कन्या	23:40:01	12:56:47	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	मित्र राशि
मंगल			कन्या	14:42:32	00:38:43	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
बुध	व	अ	तुला	17:42:09	00:43:29	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	00:32:58	00:08:05	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	मित्र राशि
शुक्र			तुला	19:59:39	01:14:43	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	मूलत्रिकोण
शनि			वृश्चिक	23:54:23	00:05:23	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	08:37:39	00:01:26	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	08:37:39	00:01:26	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	00:04:41	00:02:24	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
नेप			धनु	11:52:08	00:01:07	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो			तुला	15:43:57	00:02:24	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	09:12:55	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:10

लग्न-चलित

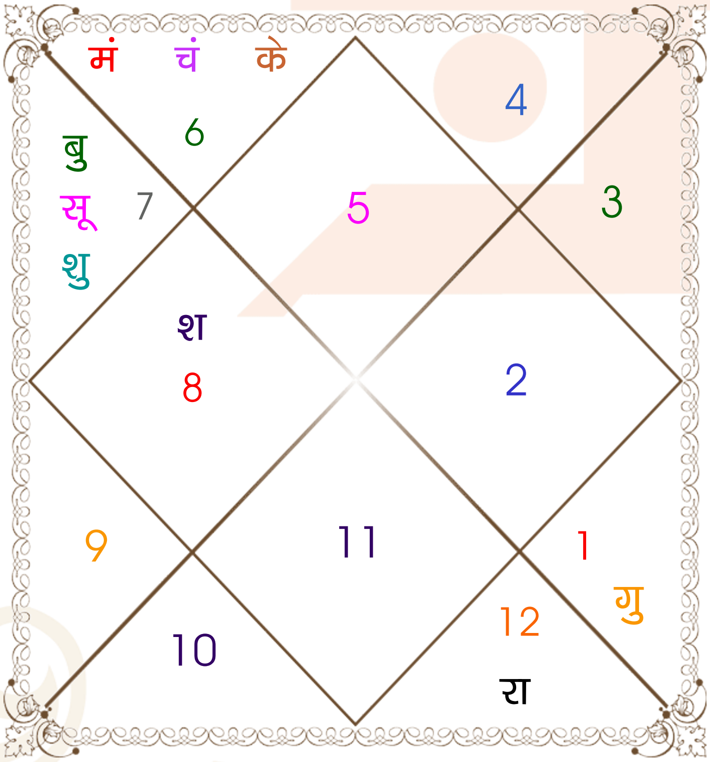

चन्द्र कुंडली

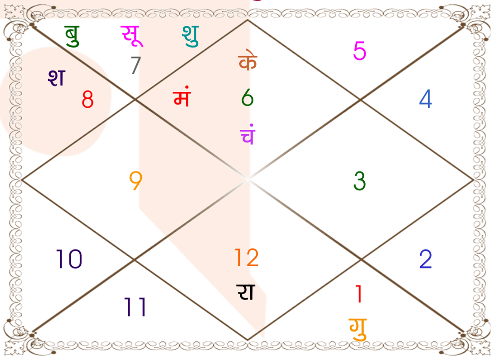

नवमांश कुंडली

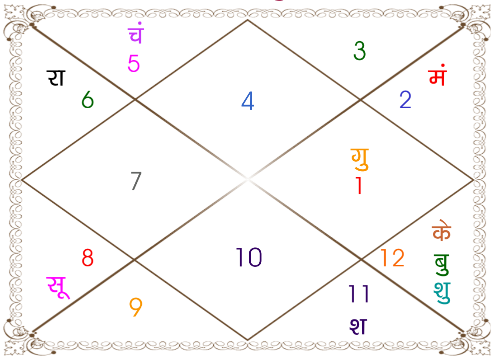

Pt Sugandh Mishra Ji

Panchmukhi Hanuman mandir vijaynagar indore

9559231533

sugandhmishra.in@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 9 मास 27 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
22/10/1987		18/08/1994		18/08/2012		18/08/2028		19/08/2047	
18/08/1994		18/08/2012		18/08/2028		19/08/2047		18/08/2064	
मंगल	15/01/1988	राहु	01/05/1997	गुरु	06/10/2014	शनि	22/08/2031	बुध	14/01/2050
राहु	01/02/1989	गुरु	24/09/1999	शनि	18/04/2017	बुध	01/05/2034	केतु	11/01/2051
गुरु	08/01/1990	शनि	31/07/2002	बुध	25/07/2019	केतु	10/06/2035	शुक्र	11/11/2053
शनि	17/02/1991	बुध	16/02/2005	केतु	30/06/2020	शुक्र	09/08/2038	सूर्य	18/09/2054
बुध	14/02/1992	केतु	07/03/2006	शुक्र	01/03/2023	सूर्य	22/07/2039	चंद्र	17/02/2056
केतु	12/07/1992	शुक्र	07/03/2009	सूर्य	18/12/2023	चंद्र	20/02/2041	मंगल	13/02/2057
शुक्र	11/09/1993	सूर्य	29/01/2010	चंद्र	18/04/2025	मंगल	31/03/2042	राहु	03/09/2059
सूर्य	17/01/1994	चंद्र	31/07/2011	मंगल	25/03/2026	राहु	04/02/2045	गुरु	09/12/2061
चंद्र	18/08/1994	मंगल	18/08/2012	राहु	18/08/2028	गुरु	19/08/2047	शनि	18/08/2064

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/08/2064		19/08/2071		19/08/2091		18/08/2097		20/08/2107	
19/08/2071		19/08/2091		18/08/2097		20/08/2107		00/00/0000	
केतु	14/01/2065	शुक्र	18/12/2074	सूर्य	06/12/2091	चंद्र	18/06/2098	मंगल	23/10/2107
शुक्र	16/03/2066	सूर्य	18/12/2075	चंद्र	06/06/2092	मंगल	18/01/2099		00/00/0000
सूर्य	22/07/2066	चंद्र	18/08/2077	मंगल	12/10/2092	राहु	19/07/2100		00/00/0000
चंद्र	20/02/2067	मंगल	18/10/2078	राहु	05/09/2093	गुरु	18/11/2101		00/00/0000
मंगल	19/07/2067	राहु	18/10/2081	गुरु	25/06/2094	शनि	20/06/2103		00/00/0000
राहु	06/08/2068	गुरु	18/06/2084	शनि	07/06/2095	बुध	18/11/2104		00/00/0000
गुरु	13/07/2069	शनि	19/08/2087	बुध	12/04/2096	केतु	19/06/2105		00/00/0000
शनि	21/08/2070	बुध	18/06/2090	केतु	18/08/2096	शुक्र	18/02/2107		00/00/0000
बुध	19/08/2071	केतु	19/08/2091	शुक्र	18/08/2097	सूर्य	20/08/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 9 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Pt Sugandh Mishra Ji
Panchmukhi Hanuman mandir vijaynagar indore
9559231533
sugandhmishra.in@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरुचिपूर्ण ढंग से संपादन करते हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

Pt Sugandh Mishra Ji
Panchmukhi Hanuman mandir vijaynagar indore
9559231533
sugandhmishra.in@gmail.com